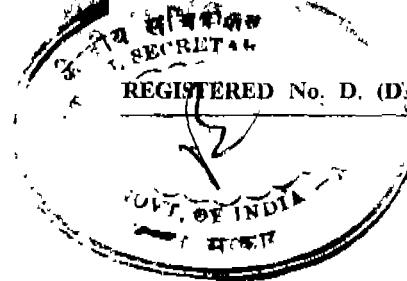




465



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

ल० 1]

नई विल्सनी, सोमवार, फरवरी 1, 1982/माघ 12, 1903

No. 1] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 1, 1982/MAGHA 12, 1903

इस भाग में भिन्न पूँछ संख्या दी जाती है जिस से कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### विस मंत्रालय

कार्यालय सहायक प्राधिकार आयुक्त (मिरीकण)

अर्जन रेज I

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व

(1) के प्रधीन सूचना

नई विल्सनी, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एस०/एस० आर०-III/5/81/193—ग्रत मुझे  
एस० आर० गुज्जा आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269 व के प्रधीन संख्या 25,000/-रुपये से  
प्रधिक है और जिसकी संख्या एस०-13 है तथा जा प्रेटर फैलाश-1,  
नई दिल्ली में स्थित है (जोर द्वारे उत्तर अन्तर्गत से पूर्व स्वरूप से वर्णित  
रजिस्टर्ड कर्ता अधिकारी के दायरीय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टर्ड-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख मई  
1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम  
दृष्टिगत प्रतिपत्ति के लिए अन्तर्गत की गई है और पूर्व दृष्टि विवाह  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्टिगत प्रतिफल में ऐसे दृष्टिगत प्रतिफल के पद्धति प्रतिगत प्रधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए ऐसे पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियंत्रित किया गया है:—

(अ) अन्तरण में ही इसी आप को वावन आयकार अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देव के अन्तरक के वावित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीरया

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धर्म या अन्य अस्तियों को  
जिन्हे भावनाय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11)  
या आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 41) या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, लिपाने  
में सुविधा के लिए,

ग्रत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. म० मात्रुदय दिल्ली विल्डवे प्रा० नि० 23/2 युसुफ मराय, नई दिल्ली  
(डायरेक्टर श्री रमेश लालग नैन द्वारा) (अन्तरक)

2. श्रीमर्ती माहा बोन पारा, रुजावता कनोकरम गली, मुयादाबाद  
(अन्तरिती)

को पद एवं नाम वाले उर्दू पूर्वक सम्मति के अर्जन के लिए  
फार्मांडा शुल नरगा ड। उक्त मम्पति के अर्जन के सम्बन्ध  
में कोई भी व्यक्ति

(क) इन गुणाते ने राजावत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की  
अवधि या नत्यावधी व्यक्तियों पर सूचना की नर्मान में 30  
दिन की अवधि द्वारा गं दमाल होनी ही, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी वाकिं डाग ;

(द्र) इन सूचना के राजावत में प्रकाशन की नारीख के 15 दिन के  
मिनर उक्त स्वावर गम्पति में लिनदू डिली प्रा० डी० का के  
द्वारा, अवाहनस्थानी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यां का, जो प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 269 में यथा परिभासित है, यही भर्ती होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

(योग्यमेत्त) प्रौ० न० एम-13 प्रेटर कैलाश, नवी दिल्ली ।

एम० प्राय० गुप्ता, संशम अधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रयुक्त (निरीक्षण)  
प्रांत रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली।

पार्ट न० : 23-1-82

मोहर

### MINISTRY OF FINANCE

#### Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I

#### Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

**No. IAC/Acq I/SR-III/5-81/193.**—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Basement (S-13) situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders (P) Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Shahana Begum w/o Fazallahma r/o Knokram Street, Moradabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Basement in property No. S-13, Greater Kailash-I, N. Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax) Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

Dated : 23-1-82

Seal

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० प्राई० ए० सी०/एक्य० १/एक्य० ३१-३०२.—अत मुझे एस० प्राय० गुप्ता प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन सक्षम अधिकारी को, वह प्रियांक कर्ता का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संखा एम-13 है तथा जो प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिक्टर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री. कॉर्प अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दूरस्थान प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे वह विषयावधारते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरस्थान प्रतिकूल में, ऐसे दूरस्थान प्रतिकूल के प्रत्यक्ष अधिक है और अन्तर्कर (अन्तरकरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के (अन्तरक के शायद में कमी करने या उम्मेदवाने में सुविधा के लिए) और/या

(ख) ऐसी किसी आप या, किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अब-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तर्कों, अर्थात् :—

1 मैं साल दिल्ली बिल्डर्स प्रा० वि० 23/2 युगुक सराय, नई दिल्ली (डॉक्टर श्री कमला नारायण औल डॉर) (प्रधारक)

2 श्रीमती जान कीर पत्नी श्री एम० जगत मिह सी/प्रा० हाल बाजार अमूतपर (अन्तरिती)

को वह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जे के लिए कार्यकारी शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जे के अन्तर में कोई भी आक्षेत्र

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सम्बन्धीय आक्षेत्रों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की सम्बन्धीय बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षेत्रों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा-परिभासित हैं, यहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं. ८, एस-१३ का हिस्सा, ग्रैटर कैलाश-१, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सकाम अधिकारी,  
सहायक आधिकार अधिकृत (निरीक्षण)  
महार० रेज. I विल्सन/नई दिल्ली

सारीख 23-1-1982

**Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)**

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-811302.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 'A', S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders (P) Ltd., r/o 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) M/s. Geyan Kaur w/o S. Jagat Singh C/o Hall Bazar, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette;

**Explanation :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**SCHEDULE**

Flat No. 'A' (Ground Floor) part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date : 23-1-1982

Seal:

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1)  
के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं. आई० ए० सी० एस०-आर०-III/5-81/242 :—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269(1) के अधीन सभी प्रधिकारी को, मठ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसमें वाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-१३ है तथा जो ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रतीक्षित अनुदान, मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृद्धमान प्रतिक्रिया के लिए असतरित की गई है और मुझे नहीं विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और ग्रन्तरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्षित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, विश्वासित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में व्यापक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कभी करने या उनमें वचों में गुप्तिका के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवेदनों को, जिसके भारतीय आधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीक्षित अनुदान द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, फिर जाता विद्युत या, छिपाने में भूमिका के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अनुसार मैं उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की अधीन व्यक्तियों, व्यक्ति, अधिकारी, अधिकारी के लिए कार्यालय, अन्तर्कर्ता, अन्तरिक्ती, अन्तरिक्षित अवधारणा के लिए, विवरण दिया जाता विद्युत या, छिपाने में भूमिका के लिए;

1. मैसर्ट साइर, दिल्ली विन्डोर ८० लिंग, 23/2 यूपूक नरा  
नई दिल्ली (डारेस्टर आ० कॉर्प नारायण नौ० रा०)

(ग्राहक)

2 श्रीमती ईश्वर कीरत पत्नी सर० जोगिनी सिंह,

पता : ई-१८, कैलाश कालोरो, नई दिल्ली-११००४४ (ग्राहकरी) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीक्षित के लिए कार्यालयी पूर्णाधारा है। उक्त सम्पत्ति के प्रतीक्षित के लम्बाद में कोई भी वृद्धिकारी नहीं है।

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या सत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की नामील से

30 दिन की श्वेति, जो बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ऐसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशित हो गया तो, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्भीर में हितवद्धि किसी अत्यधिक दूरा अधोलक्षणी के पाय निवित में निये जा सकेंगे।

प्रष्टाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधान 20-क में प्रयोगित हैं, वही प्रथम होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमति

फ्लैट नं. बी० ग्राउंड ग्लोर, प्रॉ० नं. एस-१३ का हिस्पा, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली।

एम० ग्राउंड ग्लोर, सभम अधिकारी, सहायक आवकर भारुक (निरीक्षण) अजन रेज० विल्ली/नई दिल्ली।

तारीख 27-1-1982

ग्राउंड

### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No.IAC/Act. 1/SR-III/5-81/242.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No. 'B' G.F. S-13, situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through Director Shri. Kamal Narain Kaul. (Transferor);
- (2) Smt. Ishwar Kant w/o S. Joginder Singh r/o D-16, Kailash Colony, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

**Explanation :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 'B' Ground Floor, measuring 965 sq. ft., part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,  
Date . 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269च (1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली 27 जनवरी, 1982

सं. ग्राउंड ए० सी०/एस० ग्राउंड ए०-III/5-81/1961—प्रत: मुमे, एम० ग्राउंड ग्लोर, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 रु० में अधिक है और जिसकी सक्षमा एस-१३ है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, मई, 1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य में कम से कम वृद्धमान प्रतिकाल के लिए अन्तर्दिश की गई है और मुमे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिकाल से, गेहे वृद्धमान प्रतिकाल के प्रबंध प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिर्दिशी (अन्तरिर्दिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए मय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावजूद आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरित धारा प्रकट सही किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में युवधा के लिए,

अत. प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैम० साहब विल्ली विल्ली स्प्र० निं०, 23/2 युषुक सराय, नई दिल्ली (डारेक्टर श्री कमल नारायण कौल धारा) (अन्तरक)

2. श्रीमती मीरा शर्मा, पन्नी श्री बी० के० शर्मा 573, सेक्टर-३  
आर० न० पूर्व, नई दिल्ली

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अवैध

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि आ अन्तर्वर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के गाय लिखित में किये जा सकते हैं।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रत्येक शब्दों अर्थ पदा का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ने अध्याय 20-क में यथा-परिभासित है यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० बी०, प्र०० नं० एस-१३ का हिस्सा, फ्रैटर कैलाश-१, नई दिल्ली

एस० आर० गामा, सक्षम अधिकारी  
सह-यक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेज १

तारीख : 27-1-82

दिल्ली/नई दिल्ली

गोहर

### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax

Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

**No. IAC/Acq. I, SR-III 5-31, 196.**—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. B, R.I., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- Smt. Meera Sharma w/o Sh. V. K. Sharma r/o 573, Sector III, R. K. Puram, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation:**—The terms and expressions used hereinafter as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Flat No. 'B' (F.F.) measuring २२५ वर्ग फ्ट्स. part of property No. S-13, Greater Kailash I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date 27-1-82

Seal

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ध(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर०-III/5-81/194:—अतः मृद्दे, ए० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन नक्षम अधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 हॉ से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो फ्रैटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उत्तरवद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है। जिसके कहाने के कारण नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टरीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीब मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और आतंरक (अन्तर्कौ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी रहने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूप में, गे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैरॉ. माउथ दिल्ली विल्डर्स प्रॉ. लि० 23/2 युजुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा) (अन्तरक)

2. कुमारी रंजना थापर मुपुर्वी स्व० श्री बी० आर० थापर सी०/ओ० सिडिकेट बैंक, ग्रासफ अन्नी रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंत्रोहम्नाक्षरी के पाम लिपिन में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति है, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी, एस-13 का हिस्मा. बैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

तारीख: 27-1-1982 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, भारत

दिल्ली।/ नई दिल्ली

#### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

**No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/194.**—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. C, F.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)

(2) Miss Ranjana Thapar d/o late Sh. B. R. Thapar C/o Syndicate Bank, Asafali Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette:

**Explanation :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. C, first floor, area 908 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81/241 :—अतः मैंने एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस०-13 है तथा जो बैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में आरतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिष्ठित अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दाविद्वारा में कमी करते या उत्तरासे अन्तर्वेदी में सुविधा के लिए  
श्रीराम/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आतिथियों को, जिन्हें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)  
या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरित  
दाना प्रकट नहीं किया गया था/विधा जाना चाहिए था,  
छिपाने में गुणिता के लिए,

अतः अब, उत्तरासे अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उत्तर  
अधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थात्—

1. भैरव साउथ बिल्डर्स विल्डर्स प्रा० निं० (अन्तरक) 23/2 यूपूर  
सराय, नई दिल्ली (आयकर अधीन कमल नारायण कौल द्वारा),
2. श्रीमती मणेन्द्र भगवन्त मिहू पल्ली (प्रन्तरिती) स्व० भगवन्त निं०

पता:- एम० 13, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

फो. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत लिए कार्यवाही  
शुरू करता हूँ। उत्तरासे सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के गज़ापत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि  
शा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की  
अवधि आरा में समाप्त होनी हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गज़ापत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के  
भीतर उत्तरासे व्यक्ति सम्पत्ति में द्वितीय फिरी अन्य व्यक्ति  
द्वारा, अधीनहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं,  
यहाँ प्रयोग होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बरसाती, एम० 13, का हिस्मा, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

एम० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निर्वाचन) अंजन रेंज I  
दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-82  
मोहर

**Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)**

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/241.—Whereas I, S. R. Gupta  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act, have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and  
bearing No. Raisati, S-13, situated at Greater Kailash-I, New  
Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the registering officer at New  
Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer ;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby  
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid  
property by the issue of this notice under sub-section (1) of  
section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf  
Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal  
Narain Kaul (Transferor).
- (2) Smt. Satinder Bhagwant Singh w/o late Bhagwant  
Singh, S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Trans-  
feree).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

**Explanation :—**The terms and expression used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

### SCHEDULE

Barasati measuring 842.5 sq. ft. part of property No.  
S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date : 27-1-1982, Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 प(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सौ०/एस०-1/एस० आर०-III/5-81/195.—प्रतः सूचना  
एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें पश्चात् 'उत्तरासे अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-प के अधीन सूचना अधिकारी को, यह प्रतिकास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम० 13 है तथा जो  
ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (प्रतेर इसमें उपावड़ अनुसूची में  
पूर्ण रूप से विद्युत है), जिस्त्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली 1  
में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
नारीख मई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम  
में कम दृष्टान्त प्रतिफल के लिये इन्वेन्टरी की गई है और  
मूल्य यह प्रतिकास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
वाजार मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, जैसे दृष्टान्त प्रतिफल के पक्ष में  
प्रतिकास प्रदित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
में भी ऐसे अनुसरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उक्त से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वात्र। आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत कर देने के अन्तर्गत के वायिष्व में कर्मी करने या उसमें बदले में भुग्ता के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विनी भ्रत या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हे आमने आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुनिधा के लिये,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन विस्तृत व्यक्तियों अधिक्ति ।

1. मैं माउथ दिली विल्डर्स प्रा० लि० (अन्तर्गत), 23/2 युसुफ गगर, नई दिल्ली (आयकर थी कमल नागरण कीन द्वारा),

2. श्री परमाणु भार्गव मुमुक्षु वी प्रार०प्र० भार्गव (इलेग्जिनी) पना. १३, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मम्पति के अंतर्गत के लिये कार्यवाही युक्त करना है। उक्त मम्पति के अंतर्गत में कार्द भी आओ। ।

(क) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पंत्रिय व्यक्तियों द्वारा सूचना वी कमिंग से 30 दिन की अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में विसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षणात्मकी के पास विस्तृत में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित है, यही अर्थ होता, जो उन शब्दों में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० नं० ३० ग्रा० फ्लैट, भैंस ७५० वर्ग फीट, प्रौ० नं० एस० १३ का हिस्सा ग्रेटर कैलाश-१, नई दिल्ली।

एस०प्रा०गुप्ता, मम्पति अधिकारी

तारीख 27-1-82 महाप्रब्रह्म आयकर आयकर (तिरीक्षण) अर्जन रेंज I  
मोहर

Office at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul (Transferor).
- (2) Shri S. N. Bhargava S/o Shri R. D. Bhargava R/o S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

**Explanation**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Flat No. 'C' Ground Floor, measuring 750 sq. ft. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० शा०००००० सं० प्रा०गुप्ता०१/ एस०प्रा० ३०३.—यह मुझे एस० प्रा० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है) की धारा 269-ष के अधीन मम्पति अधिकारी को, यह विद्याग कार्य का कार्य है वि स्थावर मम्पति, जिसका उन्नी भाजा भूल 25,000 रु० में अधिक है और जिसकी जगह एस० १३ है यथा जो ग्रेटर कैलाश-१, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपावद इन्होंनी में पूर्व स्पष्ट विस्तृत है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 81 को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम में कम दूसरामान प्रतिक्र

### Notice under section 269 D(I) of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC(Acq. ISR-III)5-81/195.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Flat No. C, G.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering



नहीं दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) द्वारा प्रदीन भारीख मही, 81 को पूर्वोक्त मम्पति के उचित आजार मूल्य से कम से कम बृद्धमात्र प्रतिकाल के लिये प्रत्यारित की गई है और मुझे यह विष्वास नहीं है कि यथा पूर्वोक्त मम्पति का उचित आजार मूल्य, उसके दृष्टमात्र प्रतिकाल में, ऐसे दृष्टमात्र प्रतिकाल में पद्धति प्रतिश, अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच पैसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण विभिन्न में आसन्निक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में उसी करने या उसमें अन्तर्न से मुक्तिया के लिये; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य व्यक्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुक्तिया के लिये;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुमति से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।

(1) श्रीमती मरण खुल्लर पत्नी श्री के० खुल्लर ३-बी/५ पूर्वी भार्ग, नहीं दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री लेख राज आनन्द सुपूर्ण श्री गमदिला मल, बी-३/१९, अमन्न विहार, नहीं दिल्ली । (अन्तरित)

को यह मूल्यां जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिये कार्यशाली भूम करता हूँ। उक्त मम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण ।

(क) इस मूल्यां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनवधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्त्विक में 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के खोला पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस मूल्यां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के खोला उक्त स्थावर मम्पति में हित्यारु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाधीन के पास विभिन्न में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रमुखत गव्वों और पद्धों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 लिम्मा न्याय न० ५६४, ब्लॉक ज०, नाहू वाला, करोल वार्ड, नहीं दिल्ली ।

तारीख । 27-1-82  
मोदी

गम-प्रार० ग्ला, मक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, विल्ली/नहीं दिल्ली

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/214.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. XVI/2213, situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Saras Khullar w/o Sh K K Khullar r/o 3B/5, Poorvi Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Lekh Raj Channa S/o Ram Ditta Mal, B-3/19, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee) ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette;

**Explanation**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/3rd share in Plot No 564, Block-J, Naiwala, Karol Bagh, 222 sq yds

Date 27-1-1982  
Seal  
S. R. GUPTA, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range J  
Delhi/New Delhi.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269य(1) के प्रयोग सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एस०-१/एस० आर०-III/5-81/216—प्रति: मुझे, एम० आर० गुज्जा, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 26९वा के अधीन मध्यम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या के-18 है तभी तो जीति पांच एक्टेन्यून, नई दिल्ली में लिया है (प्रांत इगमें उत्तर अनुभूति में पूर्ण मध्य से वर्णित है), रजिस्टर कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टरारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीड़ मई, 1931 को पूर्वोक्त मध्यम के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मध्यम का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्द्रह 'प्रतिलिपि अधिक' है और अन्तरक (द्रष्टव्यकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए १५ पांच गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आमियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनन्यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशार्य अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत. यदि, उक्त अधिनियम की धारा 26९-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26९-वा की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. थो. गोविन्द राम भुजुर और गंगा दाम, गजेश्वरी इलायी गोविन्द अधिकारी मोमवर्ती पत्नी स्त्री भूती मिहू, पक्षा के-17 ग्राम पांच एक्टेन्यून, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. डॉ० जे० ए० मथुर मुकुल डॉ० ए० मायुर और डॉ० (भीमती) मरालमांगुर यमी जे० ए० मायुर, ई-12, पना ग्राम पांच, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मध्यम के अर्जन के लिए कार्यवाही मुकुल करता है। उक्त मध्यम के अर्जन के मध्यवन्ध में कोई भी आक्षय—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की नारीड़ से 45 दिन को अवधि या नस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की आमील में 30 दिन की अवधि जो भी बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की नारीड़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मध्यम से हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 21-क में यथा परिभ्रान्ति है, यही अर्थ होगा, जो उम प्रधायामें दिया गया है।

अनुसूची

अध्याय मकान (टेम्परेरी स्टरब्कर)

ब्लॉट नं० के-18, 208 बग्गे गज ग्रीन, पार्क एक्षेन्यून, नई दिल्ली खसरा नं० 4, खसोनी नं० 12/56, ब्लॉक गांव का : युसुफ सराय, नई दिल्ली।

एम० आर० गुज्जा, भक्षम अधिकारी, भावायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण), नारीड़, 27-1-1981 :

अजेन रेज 1, दिल्ली/नई दिल्ली संहर :

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC-Acq-ISR-III/5-81/216.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K-18, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobind Ram S/o Ganesh Dass, Raj Rani w/o Gobind Ram; Smt. Som Wati w/o late Bhooli Singh R/o K-17, Green Park Extn., New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. J. S. Mathur S/o Dr. D. S. Mathur and Dr. (Mrs.) Madalsa Mathur w/o J. S. Mathur r/o E-12, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.





Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :—

**Explanation** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Plot No. 1851, Block-J area 217 sq. yds. Chittranjan Park, New Delhi.

Date : 27-1-1982.      S. R. GUPTA, Competent Authority  
Seal      Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व  
(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं प्राई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० प्रार०-III/५-८१/३२३ —प्रत्येक एक्य० प्रार० गुप्ता प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सभी अधिकारी को, यह प्रियमान करने का कारण है कि व्यापार गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य से अधिक है और जिसकी मात्रा सी-455 दे तथा जो इकें सालों से, नई दिल्ली में उपलब्ध है (और इसे उचित अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1981 को उक्तिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दूरस्थान प्रतिनिधि के लिए अन्वयित की गई है और मात्रा यह विषयक फरने का नाम है कि यदा-पूर्योक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृद्धमान प्रतिकल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितों) के बीच ऐसे अन्वयण के लिए जहां पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वयण विभिन्न में व्याप्तिकृत रूप में कथित भी किया गया है—

(क) अन्वयण से हुई किसी ग्राम की बाबत प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगते अवैद में सुविधा के लिए प्रो/ग्रा

(ख) रेसी दिसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, इसका में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपर्याप्त—

1. प्रेम कोष्ठर, कुल बेला कोष्ठर और दूसरे

सी-438, इकें सालों, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 नकेश कुमार जैन, 405-कुचा ब्रजनगर,

नावनी चौक शिल्पी।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीन व्यापार के अंतर्गत के निष्पादित व्यक्तियों द्वारा दूसरी बारे में उक्त अधिनियम के प्रति व्यक्ति के अन्वयण में सूचना होती है। उक्त अधिनियम के प्रति व्यक्ति के अन्वयण में सूचना होती है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के अंतर्गत वा नमस्वाक्षर व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि वाले में सभी व्यक्ति द्वारा, को भी उक्त अधिनियम की व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर्गत उक्त स्थावर सम्पत्ति में उत्तम व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास निवास में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधार्य 20-क में यथा पर्याप्त है, वही अर्थ द्वारा, जो उक्त अधार्य में दिया गया है।

### अनुसूची

सी-455, इकें सालों, नई दिल्ली।

एम० और० गुप्ता, सभी अधिकारी, सहायक प्रायकर अधिकारी (निरीक्षण) भर्जन रेज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-82

मोहर:

### Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I-SR-III/5-81 323.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. C-455, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

- (1) Shri Prem Kohli, Miss Bela Kochhar, Miss Gauri Kochhar, Gopal Kochhar and Gobind Kochhar, r/o C-438, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Jain, 405, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

**Explanation.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-455, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,  
Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982.

सं. आई० ए० सौ०/एक्य०-१/एस० आर०-III/५-८/१/१९७.—अन: सौ०, एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सम्बन्धमें अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 रु. में प्रतिक है और जिसकी संख्या नं. २ है तथा जो फैडम कालीनों, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख नं. 1941 वां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्न यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मानसिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में मुविदा के लिए और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीनतार्थ प्रतिफल द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या इधर से में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उक्त-धारा (1) के प्रधीन निम्न-निर्दिष्ट व्यक्तियों पर्याप्त:—

१. मैग० एप्पोटमेंट्स ट्रैफिक न०, रजिस्ट्रेशन व्हाउस, रोपनारा रोड, दिल्ली १। (अन्तरक)

२. मैग० निकी नाणा इंडिया प्रा० न०, रजिस्ट्रेशन व्हाउस फू०-१ एड० २ माऊथ एंड स्टोन न०-२, रिंग रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती) को यह सूचना जाग करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के अन्यत्व में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाश की तारीख से 15 दिन की अवधि या तन्मध्यात्मा अवधियों पर सूचना की तात्पील से 30 दिन की अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी अविव द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गारा० र में हितवड़ हो। अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा०, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्याय '२०-क में यथान्तरि भासित हैं, वही अर्थ होता है जो उन अधियाय में दिया गया है।

#### सूचना

कला० न० २, फैडम कालीनों, नई दिल्ली।

एस०आर०गुप्ता, संकेत अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रधीन दंग १, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 23-1-82,  
माह

#### Notice Under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC|Acq.-I|SR-III|5-81|197.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Bungalow No. 2, situated at Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Escorts Tractors Limited, Registered Office at Escorts House, Roshanara Road, Delhi. (Transferor) ;
- (2) M/s. Niky Tasha India (P) Limited, Registered Office at Mahajan House, E-1 and 2, South Extension Part II, Ring Road, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 2, Friends Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date : 23-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्रथा(1) के अधीन सूचना

नई विल्सनी, 23 जनवरी 1992

सं. आई० ए० सी०/एस०-१/एस० आर०-III/५-८१/२५६.—प्रत. मुमे, प्रम०आर० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् गुप्ता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सी-८९ है तथा जो आनंद निकेतन, नई विल्सनी-१ में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में पूर्वी क्षण से वर्णित है) राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कायानीय, विल्सनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190४ (1908 का 16) के अधीन नारीख मर्द, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के वन्देश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पर्याय गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें व्यवसं में सुविधा के लिए और /या

(ब) ऐसी किसी आय या रिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या लिखित में सुविधा के लिए,

प्रत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्रथा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

1. शिव नव सह आवगाय निवासी सी-८९, आनंद निकेतन, नई विल्सनी (अन्तरक)
2. डॉ. शर्मिंदर मच्देवा और श्रीमती चमा मच्देवा निवासी के-३५, कनाटकेम, नई विल्सनी (अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्पत्ति में कोई भी अंतर्भूत है।

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि य तत्प्रस्तरी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी बाद में गमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहलाकरी के पास गिरित में किसे जो मकाने

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

प्र० न० सी-८९, आनंद निकेतन, नई विल्सनी ।

एन०ग०र० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंतरिक्ष १ विल्सनी/नई विल्सनी-१ 1000 ३

तारीख : 23-1-82

मोहर :

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SCR-III/5-81/256.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. C-89, situated at Anand Niketan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Nath Singh Uberoi, C-89, Anand Niketan, New Delhi. (Transferor)

(2) Dr. Dharam Vir Sachdeva and Mrs. Champa Sachdeva r/o K-35, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-89, Anand Niketan, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date : 23-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range 1  
Delhi/New Delhi.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269D(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

स० आई० ए० स०/एस०-१/एस० आर०[11/5-81/320—अतः सूचना  
प्रभ० आर० शृंखला आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) का भारा 269D के अधीन सूचना की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी मूल्या पी-8/सी है तथा जो हौज खाम पक्केव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपर्युक्त ग्रन्तिकी में पूर्व स्वर में वर्णित है), गोदारी/कर्मी अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतिम तारीख पर्याप्त है, ११ का पूर्वक नामांति के उचित बाजार मूल्य से कम में कम द्वायामान अनिवार्य के लिए अन्तर्गत की गई है और सूचना यह विश्वास करने का कारण है कि यसपूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपर्युक्त ग्रन्तिकार में, दिए दृष्टप्रति नामांति के पश्चात् प्रतिष्ठित अधिक है और अन्तर्गत (ग्रन्तिकारी) और अन्तर्गत (ग्रन्तियां) के बीच उसे अन्तर्गत के लिए नष्ट पाया गया प्रतिक्रिया 1270 GI/81—3

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत विविध में वास्तविक स्वप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत से हृदय किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कर्मी करने थे उसमें वज्रने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों का, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता चाहिए या, उसपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269D के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 1(1)(१) की उप-भाग (1) के अंतीम विविध विवरण, अन्त—

१. श्री मर्ज. सुमिदा डांगर दिल्ली पता पै ४/सी, हौज खाम पक्केव, नई दिल्ली। (अंतर्क)

२. ध्रामनी महिनी जयरेव जॉनवानी और दूसरे पी-४/सी हौज खाम पक्केव, नई दिल्ली। (अन्तर्क)

का यह गूचना आरा करने पूर्वक गमनिक के ग्रन्ति के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त गमनिक के ग्रन्ति के मद्दत्य में कोई पी-सी आवेदन

(क) यह गूचना के ग्रन्त्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीम से 30 दिन की अवधि बाद में गमनिक होती है, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्रन्त्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समानि में हिस्सड़ फिरा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारीकार्य के पार विविध में किये जा सकें।

**प्रार्थना**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राची का, जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का स्थान-परिभाषित है, यहां पर्याप्त ज्ञान, जो उप प्रधानमें दिया गया है।

#### अनुसूची

प्र० न० पी-४/सी, हौज खाम पक्केव, नई दिल्ली।

प्र० अ. २३-१-१९८१

सहायता आपकर आयकर (निरीक्षण)

मंडल

प्र० अ. १, दिल्ली/नई दिल्ली-१००००२

#### Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

**No. IAC/Acq. I/SL-III/3-81/320.**—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. P-8/C, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the



agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Rakesh Kumar Kohli S/o Shri Bal Mukand Kohli and others r/o G-36, Radhey Puri, Delhi-51. (Transferor);
- Shri Dwarka Nath Nagpal S/o Shri Lachhman Dass r/o D-3/21, Krishna Nagar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette;

**Explanation.**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. G-36, area 228 sq. yd. Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269D(1) के  
प्रधीन सूचना

नं० फ्र०, 24 जनवरी, 1982

सं० आई०स० एक्य०-१/एस० आर०-III/५-८१/१९०.—प्रतः मृमे,  
एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें एकान्तर 'उक्त अधिनियम' भाव में दर्शाया गया है) की धारा  
269 द्वारा दर्शन के अन्तर्गत अधिकार को, यह विवाह करने का  
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 रु० ने अप्रिय है और जिसकी मंदिर छी-२५ है यह जो जंगपुरा  
प्र०, नई दिल्ली में विद्यमान है (जोर द्वारा उपावद अनुमूलीय मूल्य  
से अधिक है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारों के कार्रवालय  
में आग्नीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन  
तरीके से, 1981 को पूर्वांक भर्तवानि के उचित बाजार मूल्य से कम से  
कम दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्नित की गई है और मृमे यह विवाह करने  
का कारण है कि यह दूष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत अधिक है  
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, जो दूष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तर्कां) और अन्तर्निती (अन्तर्नियों) के बीच ऐसे

सम्बन्ध के लिए नया पाया गया प्रतिफल, जिसकी विवरण उक्त  
अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से दर्शित नहीं किया गया है।

- अन्तरण से हुई (कोई याच ला नावन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत दर्शन के अन्तरक के दायित्व में  
कोई याच ला उससे वहने में सुविधा के लिए शैय/गर्दा;
- ऐसी किसी याच या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें  
आयकर अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावे अलिंगि  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या/किया जाना चाहिए या  
छिपाने में सुविधा के लिए,

यहां, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269D के अनुसार में, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269D की उप-प्राचा (1) के अधीन निम्न-  
लिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्री प्रसाद गुप्ता श्री पी.सी.० लूपरा  
मुख्य अधिकारी मंदिर लाल, निवासी नं० १०, ग्रीन पार्क,  
नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री लंदे लाल निवार्ता और हीरा लाल निवार्ता  
पना-२१-जंगपुरा गोड, मीरापुर, नई दिल्ली। (अन्तरित)

का यह नूतना जरी करने पूर्वीक सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाली  
शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्वात के गवर्नर में कोई भी आवेदन ;

- इन पूर्वाने अन्तर्गत ५ पकाशन की तारीख से 45 दिन की  
अवधि या तन्मत्वनी व्यक्तियों पर दूबना की समील से 30  
दिन की अवधि अवधि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक  
व्यक्तियों में दिल्ली अर्का तारा ;
- इन सूचना के गवर्नर में पकाशन की तारीख से 45 दिन  
के भीतर उक्त आवारा समान में दिल्ली दिल्ली अधिनियम  
द्वारा, शर्वोहम्मात्री के पाग निवित में दिये जा सकेंगे।

सार्वीकरण—इसके प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अधीन २०-के द्वारा अधिनियम  
के भीतर होता, जो उक्त अधिकार में दिया गया है।

#### प्रमुख

प्र० न० ट्र०-२४, जंगपुरा प्र०, नई दिल्ली।

प्र० २९-१-१९८२

सीन

प्रमुख अधिकारी, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्र० १ विल्ली, नई दिल्ली-११०००२  
क० जी० न.धर, अपर सचिव

#### Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 29th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/190.—Whereas I, S. R. Gupta  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000  
and bearing No. D-28, situated at Jangpura Extension, New  
Delhi (and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer  
at on May, 1981, for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. R. Luthra and Shri P. C. Luthra S/o Shri Mohan Lal r/o A-10, Green Park, New Delhi. (Transferor).

- (2) Shri Chotey Lal Tiwari and Shri Hira Lal Tiwari r/o 24-Jangpura Road, Bhogal, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Property No. D-28, Jangpura Extension, New Delhi.

Date 29-1-1982.  
Seal  
S. R. GUPTA, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range 1  
Delhi/New Delhi.  
K. G. NAIR, Additional Secy.